राष्ट्रीय पिछडा वर्ग वित्त एवं विकास निगम

शैक्षिक ऋण योजना - थालाकनम,केरल

सफलता की कहानी

लाभार्थी का नाम	**सुश्री अनमोल कसाजगोड**
जिला एवं राज्य	**थालाकनम,केरल**
योजना का नाम	**शैक्षिक ऋण योजना**
ऋण स्वीकृति का वर्ष	**2016**
ऋण राशि	**रू. 2,50,000/-**
पाठ्यक्रम	**स्पीच लैंग्वेज पैथोलोजी पाठ्यक्रम**
राज्य चैनेलाईजिंग एजेंसी का नाम	**केरल स्टेट बैकवर्ड क्लासेज़ डेवलपमेंट कॉरपोरेशन**

केरल भारत का एक ऐसा राज्य है जहां पर सबसे ज्यादा आबादी पढ़ी-लिखी है। इसके साथ ही साथ केरल एक ऐसा राज्य भी है जहाँ पर निगम की सबसे अधिक राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियाँ भी है तथा 31/3/2023 तक इस राज्य के सबसे अधिक युवाओं ने निगम की शिक्षा ऋण योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त किया है और बड़ी संख्या में रोजगार अथवा स्व-रोजगार के माध्यम से सशक्त बने हैं। सुश्री अनुमोल के. उन्हीं में से एक है जिनकी सफलता की कहानी राज्य एवं देश के अन्य गरीब पिछड़े वर्ग के युवाओं को निगम की योजनाओं के माध्यम से लाभ प्राप्त कर स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित करेगी।

सुश्री अनमोल कसाजगोड, पी.ओ.-अचिकनम, थालाकनम, केरल की रहने वाली है और पिछड़ी जाति से संबंधित हैं। सुश्री अनमोल बताती हैं कि मेरे परिवार की स्थिति ठीक नहीं थी। ऐसे में उनके लिए +2 के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त कर पाना मात्र एक स्वप्न ही था। वे जानती थीं कि उच्च शिक्षा के उपरांत ही उन्हें रोजगार अथवा स्व-रोजगार के बेहतर विकल्प प्राप्त हो सकते हैं अतः उनकी तीव्र इच्छा थी कि वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपना भविष्य उज्ज्वल बनाने हेतु प्रयास करें।

एक दिन उन्हें समाचार पत्र में प्रकाशित 'केरल स्टेट बैकवर्ड क्लासेज़ डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (KSBCDC)' के विज्ञापन के माध्यम से पता चला कि यह एजेंसी NBCFDC, नई दिल्ली की ऋण योजनाओं को कार्यान्वित कर रही है और पिछड़े वर्गों के लोगों को कई प्रकार की ऋण योजनाओं के अंतर्गत केरल राज्य में ऋण सहायता प्रदान करती है। सुश्री अनमोल ने शिक्षा ऋण से संबंधित समस्त जानकारी एकत्र की और औपचारिकताओं को पूरा करने के साथ अपना ऋण प्रार्थना-पत्र जमा किया। उन्हें रू. 2.5 लाख का ऋण स्वीकृत किया गया और जिसे माह मई, 2016 में वितरित किया गया। उन्होंने NITTE इन्सटीट्यूट ऑफ स्पीच लैंग्वेज पैथोलोजी सेंटर, मंगलोर से स्पीच लैंग्वेज पैथोलोजी पाठ्यक्रम को चुना था। उनकी मेहनत और लगन सफल हुई और वे अंततः यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने में सफल हुईं। वे इस कहानी को लिखने तक कनहानगढ़ में एक प्राइवेट क्लीनिक में 'स्पीच थैरेपिस्ट' के रूप में मासिक वेतन 35,000/- रूपए प्रति माह पर कार्य कर रही थीं। अब उनके घर-परिवार के सभी लोग काफी प्रसन्न हैं।

सुश्री अनमोल आगे व्यक्त करती हैं कि उनका उच्च शिक्षा प्राप्त करने का सपना कदापि पूरा नहीं हो सकता था यदि NBCFDC की योजनाओं का राज्य में सफल कार्यान्वयन नहीं होता। वे NBCFDC और राज्य निगम का आभार

व्यक्त करते हुए यह अपेक्षा करती हैं कि राज्य में अपनी योजनाओं को सतत् रूप से जारी रखें जिससे राज्य के युवा और बेरोजगार योजनाओं का लाभ उठा सकें और गरीबी से मुक्ति पा सकें।